

पेन पावर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष - 1 अंक - 77

गुरुवार, अक्टूबर 01, 2026

विशाखापट्टनम संपादक: गंट्यादा अप्पाराव

पृष्ठों. 4मूल्य. 1रु

कभी विशारवा का 'मणिहार'... आज सवालों के भंवर में!

93 वर्षों का गौरवशाली इतिहास रखने वाले विशाखापट्टनम पोर्ट में आखिर क्या हो रहा है?

देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख व्यापारिक द्वार... अब प्रशासनिक व्यवस्था पर उठ रहे सवाल केंद्र सरकार के अधीन मेजर पोर्ट अथॉरिटी... या कुछ अधिकारियों का 'निजी साम्राज्य'?

क्या ऊपरी स्तर के दबाव में निचले स्तर के कर्मचारियों की आवाज दब रही है?

कमर्शियल फैसलों में कितनी पारदर्शिता?... कितना व्यक्तिगत प्रभाव?

बर्थ आवंटन से कार्गो हैंडलिंग तक... फैसलों के पीछे असली व्यवस्था क्या है?

फाइलें खुलेंगी तो दिखेगी पारदर्शिता?... या सामने आएगी कोई और कहानी?

‘पेन पावर’ ग्राउंड रिपोर्ट क एपिसोड 1 इन्वैस्टिगेशन टीम, पेन पावर, विशाखापट्टनम, 30 सितंबर:

कभी एक छोटा समुद्री बंदरगाह. . . समय के साथ देश के व्यापार का एक महत्वपूर्ण द्वार... विशाखापट्टनम शहर के विकास से अटूट रिश्ता... हजारों परिवारों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आजीविका का आधार.. . यही है विशाखापट्टनम पोर्ट। 1933 में शुरू हुआ इस बंदरगाह का सफर नौ दशकों से अधिक का समय पूरा कर चुका है। जहाज आए... माल उतरा... उद्योग बढ़े... रोजगार का विस्तार हुआ... और विशाखापट्टनम शहर का आर्थिक स्वरूप बदलता चला गया। लौह अयस्क से कोयले तक... कच्चे तेल से पेट्रोलियम उत्पादों तक... उर्वरकों से लेकर अन्य भारी कार्गो तक... समुद्री मार्ग से देश की औद्योगिक व्यवस्था तक माल पहुंचाने वाले प्रमुख द्वारों में विशाखापट्टनम पोर्ट ने अपनी अलग पहचान बनाई है। इसीलिए विशाखापट्टनम के लिए पोर्ट केवल जहाजों के आने-जाने की जगह नहीं है। यह रोजगार है यह व्यापार है... यह उद्योग है... और यह शहर की आर्थिक जीवनरेखा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। लेकिन...

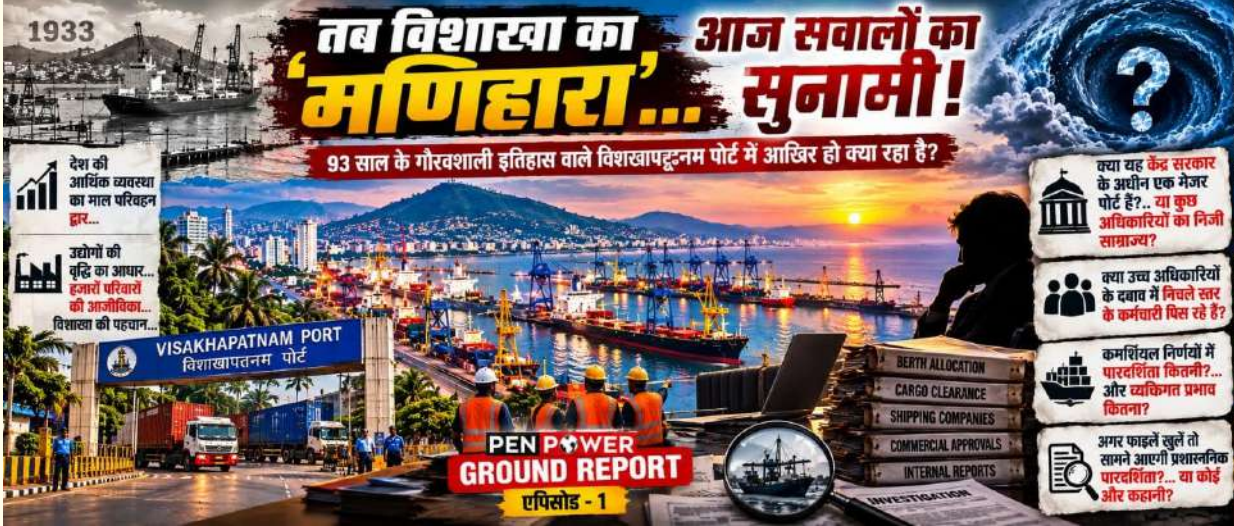
इतना गौरवशाली इतिहास रखने वाली संस्था में प्रशासन, कमर्शियल फैसलों और कर्मचारी व्यवस्था को लेकर अब कुछ गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इन सवालों के जवाब केवल व्यक्तियों

के बयानों में नहीं, बल्कि आधिकारिक रिकॉर्ड में दिखाई देने चाहिए। **आखिर पोर्ट किसका है?** सबसे पहले एक बात स्पष्ट है। विशाखापट्टनम पोर्ट किसी व्यक्ति या अधिकारी की निजी संस्था नहीं है। यह केंद्र सरकार की व्यवस्था के अंतर्गत आने वाली एक मेजर पोर्ट अथॉरिटी है। फिर ऐसी संस्था में यह आरोप क्यों सुनाई दे रहे हैं कि व्यवस्था से ज्यादा कुछ व्यक्तियों का प्रभाव बढ़ रहा है? क्या आधिकारिक फैसले निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही लिए जा रहे हैं? या कुछ अधिकारियों के विवेक और प्रभाव को असामान्य महत्व मिल रहा है? फाइल में दर्ज नियम ही अंतिम शब्द है? या फाइल संभालने वाला व्यक्ति ही अंतिम निर्णयकर्ता बनता जा रहा है? यही 'पेन पावर' की पड़ताल का पहला सवाल है।

रूल बुक चल रही है... या व्यक्तियों की बात? सरकारी व्यवस्था में हर निर्णय के पीछे एक निर्धारित प्रक्रिया होनी चाहिए। किसने प्रस्ताव दिया ?, किसने उसकी जांच की ?, किसने सिफारिश की?, किसने मंजूरी दी?, किस नियम के तहत मंजूरी दी गई?, उस फैसले से संबंधित रिकॉर्ड कहाँ है? इन सवालों के स्पष्ट जवाब हों, तभी प्रशासन पर भरोसा कायम रह सकता है। इसीलिए विशाखापट्टनम पोर्ट के कमर्शियल मामलों से जुड़े फैसलों को भी इसी कसौटी पर परखना जरूरी है। क्या एक जैसी परिस्थितियों में सभी कंपनियों के लिए समान

नियम लागू किए जा रहे हैं? क्या फाइलों के निस्तारण में अनावश्यक देरी हो रही है? अगर हो रही है तो उसके कारण रिकॉर्ड में दर्ज किए जा रहे हैं? किसकी सिफारिश पर कौन-सा फैसला लिया गया, क्या यह फाइलों में स्पष्ट दिखाई देता है? ये आरोप नहीं हैं। ये वे सवाल हैं जिनका जवाब पारदर्शी प्रशासन में मौजूद होना चाहिए। **निचले स्तर के कर्मचारियों की आवाज कहाँ है?** पोर्ट का मतलब केवल चेरपरसंन का कार्यालय नहीं है। केवल वरिष्ठ अधिकारियों के वातानुकूलित कक्ष भी नहीं हैं। मैदानी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारी से लेकर कार्यालय में फाइल संभालने वाले स्टाफ तक कृ हजारों हाथों की सामूहिक मेहनत से ही पूरी व्यवस्था चलती है। लेकिन सवाल यह है कि क्या निचले स्तर का कर्मचारी अपने वरिष्ठ अधिकारी के निर्णय पर सवाल उठा सकता है? यदि उसे कोई निर्णय नियमों के विपरीत लगता है, तो क्या वह अपनी आपत्ति रिकॉर्ड पर दर्ज करा सकता है? या फिर सवाल उठाने पर तबादला, उत्पीड़न अथवा अन्य परेशानियों का सामना करने का डर बना रहता है? कुछ कर्मचारियों की ओर से सुनाई दे रहे 'बॉसिज्म' और दबाव संबंधी आरोपों में कितनी सच्चाई है? यहां भी केवल बातें नहीं, बल्कि शिकायतें, विजिलेंस रिकॉर्ड, प्रशासनिक आदेश, तबादला दस्तावेज और विभागीय रिकॉर्ड ही सच्चाई सामने ला सकते हैं।

कमर्शियल विभाग... क्या असली कहानी यहीं से शुरू होती है? मान लीजिए कि एक बड़ा कार्गो जहाज विशाखापट्टनम के समुद्री क्षेत्र की ओर आ रहा है। जहाज के पोर्ट पहुंचने से पहले ही एक प्रशासनिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है। जहाज का विवरण... कार्गो की जानकारी... बर्थ की उपलब्धता... हैंडलिंग व्यवस्था... शिपिंग एजेंट से जुड़े मामले... कमर्शियल पहलू... ऐसे कई स्तरों पर फैसले होते हैं। तो इस पूरी निर्णय-श्रृंखला में किसकी भूमिका कितनी है? **यहीं से असली कहानी शुरू होती है।** एक फाइल कहाँ से शुरू होती है? कितनी टेबलों से गुजरती है? कौन टिप्पणियाँ दर्ज करता है? कौन सिफारिश करता है? और आखिर में फैसला कौन लेता है? आधिकारिक रूप से किसी अधिकारी के पास कितना अधिकार है? व्यवहार में उसका प्रभाव कितना है? क्या इन दोनों के बीच कोई अंतर है? **बर्थ आवंटन... फैसला किसका?** पोर्ट में बर्थ का आवंटन व्यावसायिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण मामला है। जहाज के इंतजार का हर घंटा आर्थिक मूल्य रखता है। इसलिए बर्थ आवंटन में पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है। किस जहाज को कब बर्थ दिया गया? उससे पहले कितने जहाज प्रतीक्षा में थे? प्राथमिकता तय करने के लिए कौन-से मानदंड अपनाए गए? यदि किसी जहाज को प्राथमिकता दी गई तो क्या उसका



कारण रिकॉर्ड में दर्ज है? तारीख, समय और जहाजवार इन विवरणों की जांच की जाए तो कई सवालों के जवाब सामने आ सकते हैं। **कंपनी बदले तो क्या नियम भी बदलते हैं?** यह एक और महत्वपूर्ण सवाल है। एक जैसा कार्गो... एक जैसी परिस्थितियाँ... लेकिन कंपनियाँ अलग-अलग। ऐसे में क्या फैसले भी समान तरीके से लिए जा रहे हैं? या किसी एक कंपनी की फाइल तेजी से आगे बढ़ती है और दूसरी कंपनी की फाइल में देरी होती है? **यदि ऐसा होता है तो कारण क्या है?** तकनीकी समस्या?, दस्तावेजों की कमी?,बर्थ उपलब्ध न होना?, या कोई अन्य कारण? , फाइल नोटिप्स इन सवालों के जवाब दे सकती हैं। 'निजी साम्राज्य' का आरोप क्यों? केंद्र सरकार के अधीन आने वाले एक मेजर पोर्ट को "कुछ अधिकारियों का निजी साम्राज्य" कहना बेहद गंभीर आरोप है। इसलिए इसे केवल एक नारे के रूप में छोड़ देना उचित नहीं होगा। इसकी जांच जरूरी है।, क्या कोई अधिकारी अपने वैधानिक अधिकार क्षेत्र के भीतर ही काम कर रहा है? या अपने अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़कर फैसलों को प्रभावित कर

रहा है?, क्या वास्तव में ऐसी स्थिति है कि किसी एक व्यक्ति के बिना फाइल आगे नहीं बढ़ती? यदि ऐसा है तो उसका रिकॉर्ड आधारित प्रमाण क्या है? **या फिर ये आरोप केवल असंतोष से पैदा हुए हैं?** दोनों संभावनाओं को रिकॉर्ड की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। विजिलेंस क्या कहती है? , जब इतने सवाल उठ रहे हैं तो विजिलेंस की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है।, क्या कमर्शियल मामलों को लेकर पहले शिकायतें मिली हैं? क्या किसी अधिकारी के खिलाफ लिखित शिकायतें दर्ज हुई हैं? **और यदि कोई शिकायत ही नहीं है तो इन आरोपों की जड़ आखिर कहाँ है?** इन सवालों के जवाब भी सामने आने चाहिए।, 'पेन पावर' पहले से किसी को दोषी नहीं ठहरा रहा , इस पूरी रिपोर्ट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है।, किसी अधिकारी को पहले ही दोषी घोषित करना 'पेन पावर' का उद्देश्य नहीं है। लेकिन किसी सार्वजनिक संस्था में प्रशासन, कमर्शियल फैसलों, कर्मचारियों पर कथित दबाव या व्यक्तिगत

प्रभाव को लेकर सवाल उठते हैं तो उन्हें नजरअंदाज करना भी पत्रकारिता नहीं है। आरोप आएगा तो सवाल पूछेंगे।, जवाब मांगेंगे।, रिकॉर्ड तलाशेंगे।, दोनों पक्षों का पक्ष लेंगे।, और उसके बाद तथ्य पारटकों के सामने रखेंगे।, यही इस ग्राउंड रिपोर्ट का उद्देश्य है। **93 वर्षों की प्रतिष्ठा... किसी एक की संपत्ति नहीं!** विशाखापट्टनम पोर्ट की प्रतिष्ठा किसी एक अधिकारी से बड़ी है। किसी एक विभाग से बड़ी है। किसी एक शिपिंग कंपनी से भी बड़ी है। क्योंकि यह एक सार्वजनिक व्यवस्था है। यह देश के व्यापारिक हितों से जुड़ी संस्था है। इसलिए यदि आरोप गलत हैं तो उन्हें रिकॉर्ड और तथ्यों के साथ खारिज किया जाना चाहिए। यदि आरोप सही साबित होते हैं तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन... खामोशी जवाब नहीं हो सकती।

‘पेन पावर’ के सवाल विशाखापट्टनम पोर्ट में व्यवस्था मजबूत है या व्यक्ति? रूल बुक चल रही है या कुछ लोगों की बात ही नियम बनती जा रही है? क्या कमर्शियल फैसलों में सभी को समान अवसर मिल रहा है? क्या हर बर्थ आवंटन के पीछे रिकॉर्ड आधारित कारण

मौजूद है? क्या निचले स्तर के कर्मचारी स्वतंत्र रूप से अपनी राय रख सकते हैं? विजिलेंस को मिली शिकायतों का क्या हुआ? कमर्शियल फाइलें खुलेंगी तो पारदर्शिता दिखाई देगी... या अब तक छिपी कोई दूसरी कहानी सामने आएगी? जवाब अटकलों में नहीं... रिकॉर्ड में चाहिए। इसीलिए शुरू हो चुकी है कृ 'पेन पावर' ग्राउंड रिपोर्ट। **एपिसोड 2 में... "कमर्शियल में आखिर किसकी बात चलती है?"** जहाज के आगमन से लेकर बर्थ आवंटन तक... कार्गो हैंडलिंग से लेकर कमर्शियल फैसलों तक... फाइल किसकी टेबल पर जाती है? कौन सिफारिश करता है? अंतिम फैसला किसका होता है? और रिकॉर्ड क्या कहते हैं? पढ़ते रहिए कृ पेन पावर तेलुगु, हिंदी और अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र। इस श्रृंखला से संबंधित कोई दस्तावेज, प्रमाण, तथ्य या आपत्ति आपके पास हो तो सीधे इस नंबर पर संपर्क करें: मोबाइल / व्हाट्सएप : 9059465965 , mail id : editortorpenpower@gmail-com

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू को दशहरा महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण

(पेन पॉवर न्यूज): अमरावती, 30 सितंबर: इंद्रकीलाद्रि पर स्थित श्री दुर्गा मल्लेश्वर स्वामी मंदिर के दशहरा महोत्सव में शामिल होने के लिए मंदिर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को आमंत्रित किया। इंद्रकीलाद्रि पर 11 से 20 अक्टूबर तक दशहरा उत्सव आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में बुधवार को दुर्गा मंदिर के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से उनके कैंप कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें दशहरा महोत्सव का निमंत्रण पत्र सौंपा। दुर्गा मंदिर के अध्यक्ष बोरु राधाकृष्ण के नेतृत्व में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें दशहरा उत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया।



मंदिर के पुजारियों ने मुख्यमंत्री को देवी का प्रसाद भेंट किया और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने अधिकारियों से दशहरा उत्सव की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को

किसी भी तरह की परेशानी न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री को आमंत्रित करने वालों में दुर्गा मंदिर के अध्यक्ष बोरु राधाकृष्ण के अलावा देवदाय विभाग के आयुक्त रामचंद्र मोहन, कार्यकारी अधिकारी शीना नायक और बोर्ड के सदस्य शामिल थे।

विवेका हत्याकांड के आरोपों पर चुप्पी क्यों? मंत्री निम्मला का जगन से सीधा सवाल

(पेन पॉवर न्यूज): अमरावती, 30 सितंबर: मंत्री निम्मला रामानायडू ने पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी पर तीखा हमला बोला। बुधवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि जगन के कथित भ्रष्टाचार और आपराधिक मानसिकता के सामने अंतरराष्ट्रीय माफिया सरगना भी फीके पड़ जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि अपने ऊपर लगे गंभीर अपराधों और हत्याओं का दोष दूसरों पर डालकर बच निकलने के मामले में जगन ने अपराध के नए तरीके सिखाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन केवल आर्थिक

अपराधी ही नहीं, बल्कि एक कथित आपराधिक साम्राज्य के मुख्य सूत्रधार बन गए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने अपने दादा राजा रेड्डी के समय की कथित गुटिया हिंसा की संस्कृति को आगे बढ़ाया और अपने अनुयायियों में हिंसा की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जगन ने अपने ही चाचा की कुल्हाड़ी से हत्या करवाई और इस मामले से जुड़े लोगों की बाद में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होती गई। मंत्री ने टिप्पणी की कि उस समय लोटस पोंड में बटन दबाते ही पुलिवेंदुला में उनके चाचा की जान चली गई।



उन्होंने सवाल किया कि सुनील यादव द्वारा दिए गए सनसनीखेज बयान पर जगन मोहन रेड्डी चुप क्यों हैं। उन्होंने दावा किया कि दस्तगीरी से लेकर सुनील यादव तक, ताडेपल्ली पैलेस केंद्रित कथित साजिशों का पर्दाफाश हुआ है।

गरीबों की खुशी ही असली विकास है: मुख्यमंत्री चंद्रबाबय 60 हजार लोगों को पट्टे दिए

(पेन पॉवर न्यूज): विजयवाड़ा, 30 सितंबर: मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा, "आज मैं इतने लोगों के चेहरों पर मुस्कान देख रहा हूं। मैं अपने जीवन में इस दिन को निश्चित रूप से याद रखूंगा।" गरीबों के पट्टा उत्सव समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गठबंधन सरकार ने चुनावों के दौरान किए गए वादों को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि अपने सहयोगियों पवन कल्याण और नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर गठबंधन सरकार का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार विकास और कल्याण के क्षेत्र में जेट स्पीड से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि विशाखापत्तनम, मंगलगिरी और आज विजयवाड़ा में हजारों लोगों को पट्टे देना उनके जीवन की ऐसी याद है जिसे वह कभी नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा कि 60 हजार लोगों को पट्टे दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इन संपत्तियों में 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया और 52 हजार करोड़ रुपये हैं। **इसलिए इसका नाम 'गरीबों का पट्टाभिषेक' रखा** मुख्यमंत्री ने कहा कि औसतन 130 वर्ग गज जमीन दी गई है और औसतन एक करोड़ से दो करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि इसी कारण इस कार्यक्रम का नाम 'गरीबों का पट्टाभिषेक' रखा गया है। उन्होंने कहा कि 50 से 60 वर्षों से देखा जा रहा सपना

साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि कल तक लोगों के पास संपत्ति होने के बावजूद उसका उपयोग करने की स्थिति नहीं थी, लेकिन अब उनके बच्चों का भविष्य बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि गरीबों की खुशी ही असली विकास है। उन्होंने कहा, "हमने एनटीआर जिले के सभी क्षेत्रों को लोगों को पट्टे दिए हैं। इसके लिए मेहनत करने वाले आपके विधायकों और अधिकारियों को आपको धन्यवाद देना चाहिए। चुनावों के दौरान हमने सुशासन देने का वादा किया था। हमने आपको समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया था।" **इसे बेचें नहीं, संभालकर रखें** मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को पांच साल के विनाशकारी शासन से बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि गरीबों को अन्न, वस्त्र और आवास उपलब्ध कराने की नीति एनटीआर ने शुरू की थी और उसी नीति को लागू करते हुए गरीबों के जीवन में खुशी लाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बिना किसी आपत्ति वाली जमीन गरीबों को देने का निर्णय लिया गया और उसे लागू किया गया। उन्होंने कहा, "यह आपका विरासत का अधिकार है। इसे बेचें नहीं, संभालकर रखें।" उन्होंने कहा कि गरीबों को स्थायी आवास बनाकर खुशी से जीवन बिताना चाहिए। उन्होंने कहा कि तकनीक के माध्यम से सेवाओं को आसान बनाया गया है और राज्य के कई क्षेत्रों में



ऐसी अनेक समस्याओं का समाधान किया गया है। **राजकीय मुहर के साथ आपकी संपत्तियां आपको सौंपीं** चंद्रबाबू ने आरोप लगाया कि 2019 से 2024 के बीच पिछली सरकार ने भूमि विवादों को बढ़ावा दिया। उन्होंने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि लोगों की संपत्तियों पर उनके नेताओं की तस्वीरें लगाई गईं। उन्होंने कहा, "गठबंधन सरकार में न मेरी तस्वीर है और न मेरे मित्र पवन कल्याण की तस्वीर है। हमने केवल सरकार की राजकीय मुहर के साथ आपकी संपत्तियां आपको सौंप दी हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि भूमि स्वामित्व कानून के माध्यम से लोगों की संपत्तियां हड़पने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने पट्टीसीमा परियोजना का विरोध किया था,

तब चलाने की कोशिश करने वालों को जनता ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने भूमि स्वामित्व कानून को रद्द कर दिया और गरीबों की संपत्तियों को सुरक्षा और भरोसा प्रदान किया। उन्होंने कहा कि एक रुपया भी लिए बिना मुफ्त पंजीकरण कराया गया। **विकास कार्यों में तेजी** मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाई गई है। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण किया जा रहा है और सिंचाई परियोजनाओं को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पोलावरम बाएं नहर के माध्यम से उत्तर आंध्र को पानी दिया गया है और रायलसीमा को बागवानी केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने पट्टीसीमा परियोजना का विरोध किया था,

लेकिन उनकी सरकार ने इसे पूरा करके दिखाया। उन्होंने कहा कि गोदावरी से 490 टीएमसी पानी प्रकाशम बैराज तक मोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पर्याप्त बारिश नहीं हुई, लेकिन पट्टीसीमा के माध्यम से कृष्णा डेल्टा को सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि गोदावरी का 1,400 टीएमसी पानी समुद्र में जा रहा है और यदि इसमें से 100 टीएमसी पानी इस क्षेत्र में लाया जाए तो यह क्षेत्र भरा-भरा और समृद्ध हो जाएगा। **सरकार के लिए विकास और कल्याण दो आंखों के समान** "मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि पोलावरम परियोजना को पूरा करेंगे और पानी को कृष्णा डेल्टा तथा रायलसीमा की ओर मोड़ेंगे। कुछ स्वार्थी लोग सोचते हैं कि केवल उनका भला हो जाए, वही काफी है।

संपादकीय

नाबालिगों की डिजिटल सुरक्षा को कानूनी संरक्षण

सोशल मीडिया हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। इसके माध्यम से जानकारी प्राप्त करने, अपने विचार व्यक्त करने और दुनिया से जुड़ने जैसे अनेक लाभ मिल रहे हैं। लेकिन यही मंच बच्चों के लिए खतरनाक बनने के मामले भी बढ़ रहे हैं। उम्र की परवाह किए बिना सभी के लिए उपलब्ध डिजिटल दुनिया में बच्चों की सुरक्षा चिंता का विषय बनती जा रही है। साइबर उत्पीड़न, अश्लील एवं अनुचित सामग्री, ऑनलाइन धोखाधड़ी, व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग और डिजिटल लत जैसी समस्याएं उनके शारीरिक और मानसिक विकास को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया पर खाते खोलने के लिए माता-पिता की सहमति अनिवार्य करने के विषय पर विचार करने का केंद्र सरकार को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्देश दिया जाना महत्वपूर्ण है। नाबालिगों द्वारा सोशल मीडिया का उपयोग करना समस्या नहीं है। वास्तविक समस्या यह है कि उनकी उम्र के अनुरूप समझ, विवेक और परिपक्वता को ध्यान में रखे बिना उन्हें बिना किसी नियंत्रण वाले वातावरण में प्रवेश मिल रहा है। बच्चों को आकर्षित करने के लिए तैयार किए गए एल्गोरिदम उन्हें घंटों तक स्क्रीन से चिपके रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। एक वीडियो देखने के तुरंत बाद दूसरा वीडियो और एक पोस्ट के बाद दूसरी पोस्ट दिखाने की व्यवस्था उनका काफी समय ले रही है। इसके कारण पढ़ाई पर एकाग्रता कम होना, नींद में बाधा और शारीरिक गतिविधियों में कमी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। समस्या यहीं समाप्त नहीं होती। फर्जी खातों के माध्यम से बच्चों से संपर्क बढ़ाना, उन्हें अपने जाल में फंसाना, उनकी निजी तस्वीरें और जानकारी हासिल करना तथा बाद में उसी के आधार पर उन्हें धमकाना जैसे साइबर अपराध गंभीर चिंता का विषय हैं। बच्चों की जानकारी के बिना उनकी व्यक्तिगत सूचनाओं का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। अनुचित दृश्य, हिंसक सामग्री और गलत सूचनाएं भी उनके सामने पहुंच रही हैं। एक बार डिजिटल मंच पर व्यक्तिगत जानकारी पहुंच जाने के बाद उसके पूरी तरह मिट जाने की कोई गारंटी नहीं होती। उसके दुरुपयोग से होने वाले नुकसान को समझने की परिपक्वता बच्चों में हर परिस्थिति में नहीं होती। भारतीय संविदा अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्ति स्वतंत्र रूप से कानूनी रूप से वैध अनुबंध नहीं कर सकते। लेकिन इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, स्नैपचैट और एक्स जैसे मंचों पर खाता खोलते समय उपयोग की शर्तों से सहमत होना पड़ता है। हालांकि उम्र की पुष्टि जन्मतिथि के आधार पर करने का दावा किया जाता है, लेकिन इन विवरणों की वास्तविकता की जांच करने वाली व्यवस्थाएं कितनी प्रभावी हैं, यह सवाल बना हुआ है। जिन नाबालिगों में अनुबंध करने की कानूनी क्षमता नहीं है, उन्हें डिजिटल मंचों की शर्तों से सहमत माना जाना और ऐसे अनुबंधों के क्रियान्वयन से जुड़ी जिम्मेदारियां तय करना जैसे मुद्दों पर स्पष्टता आवश्यक है। इस विरोधाभास को दूर किए बिना बच्चों को व्यापक डिजिटल सुरक्षा प्रदान करना संभव नहीं है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 जैसे कानूनी ढांचे पहले से मौजूद हैं। बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी को संसाधित करने के लिए माता-पिता की सत्यापित सहमति प्राप्त करने के प्रावधान भी हैं। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर नाबालिगों द्वारा खाते खोलने, उम्र की पुष्टि करने, माता-पिता की सहमति सुनिश्चित करने और नियमों का उल्लंघन करने वाली संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई जैसे विषयों पर अधिक स्पष्ट और प्रभावी क्रियान्वयन व्यवस्था की आवश्यकता है। इस संदर्भ में केंद्र सरकार को सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में आवश्यक संशोधन लाने पर ध्यान देना चाहिए। खाता खोलने से पहले उम्र की पुष्टि, माता-पिता या अभिभावकों की सहमति का सत्यापन, बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा और अनुचित सामग्री पर नियंत्रण जैसे विषयों को कानूनी आधार प्रदान किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने की प्रक्रिया ही उनकी निजता के लिए खतरा न बन जाए। हालांकि, केवल माता-पिता की सहमति को अनिवार्य कर देना सभी समस्याओं का समाधान नहीं है। उम्र की पुष्टि में होने वाली गलतियों, गलत जानकारी देकर खाते खोलने और माता-पिता की जानकारी के बिना बच्चों द्वारा दूसरे लोगों के खातों का इस्तेमाल करने जैसी संभावनाओं को भी ध्यान में रखना होगा। शिक्षा, रचनात्मकता और जानकारी प्राप्त करने के लिए उपयोगी डिजिटल संसाधनों से बच्चों को पूरी तरह दूर किए बिना, उन्हें उनकी उम्र के अनुरूप उपलब्ध कराने की नीतियां भी बनाई जानी चाहिए। तकनीक तेजी से बदल रही है, ऐसे समय में कानून पीछे नहीं रहने चाहिए। साथ ही सरकारों को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उठाए गए मुद्दे को केवल एक और कानूनी बहस के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे बाल अधिकारों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सुधारों के अवसर में बदलना चाहिए।

पॉक्सो बना वैवाहिक जंग का हथियार तो सुप्रीम कोर्ट ने खींची लक्ष्मण रेखा!



वैश्विक स्तरपर भारत में न्यायपालिका को आम नागरिक न्याय की अंतिम आशा के रूप में देखता है। शासन-प्रशासन, संस्था अथवा किसी शक्तिशाली व्यक्ति के विरुद्ध शिकायत हो या दो सामान्य नागरिकों के बीच विवाद, संविधान के समक्ष समानता और विधि के शासन का मूल सिद्धांत यही है कि न्यायिक प्रक्रिया व्यक्ति की हैसियत नहीं, कानून और साक्ष्यों को देखे। सितंबर 2026 के अंतिम सप्ताह में सर्वोच्च न्यायालय से जुड़े तीन मामलों में न्याय, सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के इसी संतुलन को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र बताया जाएगा कि 28 सितंबर को न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में हाल की यौन अपराध की नवाबालिग के साथ कथित सामूहिक यौन अपराध भी शामिल है, का स्वतः संज्ञान लेकर, इसे 2012 के निर्भया प्रकरण की पीड़ादायक याद दिलाने वाला बताया और सार्वजनिक



स्वतः संज्ञान को किसी आरोपी के अपराध का अंतिम न्यायिक निष्कर्ष नहीं माना जाना चाहिए। साथियों, दूसरी ओर डोबिवली अस्पताल प्रकरण सत्ता या सामाजिक प्रभाव से ऊपर कानून के शासन का महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। रमेश म्हात्रे और अन्य पर चिकित्साकों एवं अस्पताल कर्मचारियों से कथित मारपीट का मामला है। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 लोक सेवक को कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल, धारा 121(1) लोक सेवक को चोट पहुंचाने से संबंधित प्रावधान, धारा 351(1) आपराधिक धमकी, धारा 352 जानबूझकर अपमान, धारा 189 (2) विधिविरुद्ध जमाव और धारा 191(2) दंगा सहित प्रावधान लागू जाने की खबर है। मामले में महाराष्ट्र के चिकित्सा सेवा कर्मियों और चिकित्सा संस्थानों में हिंसा एवं संपत्ति की क्षति रोकने संबंधी विशेष राज्य कानून के प्रावधान भी लागू गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने 28 सितंबर को उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगाते हुए आरोपी को तीन

स्थानों की सुरक्षा तथा प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए। इसी दिन महाराष्ट्र के डोबिवली स्थित शांस्त्रीनगर अस्पताल में चिकित्सकों पर कथित हमले के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने एक राजनीतिक पार्टी के पार्षद को मिली जमानत पर रोक लगाते हुए तीन दिनों में आत्मसमर्पण का निर्देश दिया और चिकित्सा समुदाय की सुरक्षा पर कठोर संदेश दिया। तीसरा और दूरगामी घटनाक्रम 24 सितंबर 2026 का आर बनाम ई एवं अन्य, 2026 आईएनएससी 1049 फैसला है, जिसमें वैवाहिक एवं बाल-अभिरक्षा विवादों के बीच पॉक्सो कानून के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने विस्तृत सुरक्षा उपाय निर्धारित किए। साथियों दिल्ली-एनसीआर की घटना में सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं संज्ञान लेते हुए अपनी रजिस्ट्री को जनहित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया। उपलब्ध विवरण के अनुसार 16 वर्षीय लड़की के साथ चलती स्लीपर बस में चालक और परिचालक द्वारा कथित सामूहिक यौन अपराध का मामला सामने आया था। न्यायालय ने कहा कि पार्क, बस जैसे सार्वजनिक स्थान कमजोर प्रकाश व्यवस्था, अपर्याप्त निगरानी और प्रशासनिक कमियों के कारण उच्च जोखिम वाले क्षेत्र नहीं बनने दिए जा सकते। नाबालिग से यौन अपराध के मामलों में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो) के प्रासंगिक प्रावधान तथा तथ्य के अनुसार भारतीय न्याय संहिता, 2023 के यौन अपराध संबंधी प्रावधान लागू हो सकते हैं; हालांकि किसी विशेष धारा का अंतिम निर्धारण प्राथमिकी, पीड़िता के बयान, चिकित्सकीय-साक्ष्य और आरोपपत्र पर निर्भर करता है। अतः न्यायालय के

प्रधानमंत्री लगातार कर रहे हैं विदेशी मुद्रा बचाने की अपील



माननीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूंकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव डाल सकती है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक बार पुनः भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक नहीं हो तो सोना नहीं खरीदें अथवा कम मात्रा में खरीदें। साथ ही आपने यह भी अपील की है कि विदेशी पर्यटन को टालने का प्रयास करें एवं विदेश में जाकर शादी ब्याह के कार्यक्रम नहीं करें। यह समय की मांग है कि भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा को बचाने के उद्देश्य से स्वदेशी मंत्र को अपनायें। माननीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूंकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव डाल सकती है। इस कठिन दौर में भारत को बहुत संपल कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। रूस यूक्रेन युद्ध लम्बे समय से लगातार चल रहा है, इजरायल हमस युद्ध जारी ही था कि अमेरिका ईरान के बीच युद्ध छिड़ गया। उधर, अमेरिका में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की तलवार लगातार लटक रही है। वैश्विक स्तर पर इन विपरीत परिस्थितियों के

बीच कई देशों के विदेशी व्यापार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसमें भारत भी शामिल है, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की कुल खपत का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अन्य देशों से आयात करता है। इसी प्रकार, भारत देश में स्वर्ण की कुल मांग का भी 90 प्रतिशत से अधिक भाग आयात करता है। विशेष रूप से, अमेरिका ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से कच्चे तेल की आपूर्ति लगभग ठप्प पड़ गई है। भारत में होने वाले कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत द्वारा 7,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह 32 प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में 32

प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। अन्यथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्भाला गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक नीचे आने लगेगी। दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं ब्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड यील्ड भी लगातार बढ़ रही है। आज, विभिन्न देशों में बांड यील्ड पिछले कई वर्षों के उच्च स्तर पर आ गई है। जैसे, अमेरिका में 10 वर्षीय बांड यील्ड 4.80 प्रतिशत के उच्च स्तर

से भी ऊपर पहुंच गई है, ब्रिटेन में 5.25 प्रतिशत (पिछले 18 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), फ्रान्स में 4.24 प्रतिशत (पिछले 17 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), जर्मनी में 3.37 प्रतिशत (पिछले 15 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), जापान में 2.99 प्रतिशत जहां पर शून्य प्रतिशत हुआ करती थी (पिछले 30 वर्षों के उच्चतम स्तर पर है), कनाडा में 3.75 प्रतिशत, ब्राजील में 14.56 प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में 5.23 प्रतिशत, सिंगापुर में 2.40 प्रतिशत, क्विया कोरिया में 4.41 प्रतिशत एवं भारत में 6.98 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। यदि विकसित देशों में यदि मुद्रा स्फीति की दर और अधिक बढ़ती है तो इसे नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज की दरों को बढ़ाया जा सकता है। इससे इन देशों में बांड यील्ड और अधिक बढ़ेंगी, जिसके चलते भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी मुद्रा में किए गए निवेश की निकासी होगी और यह राशि विकसित देशों में हस्तांतरित होगी क्योंकि इन देशों में बांड यील्ड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत से भी विदेशी मुद्रा निवेश की निकासी प्रारम्भ होती है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए के मूल्य में तेज गिरावट दृष्टिगोचर होगी जिससे भारत में आयात और अधिक महंगे होने लगेगे, इस प्रकार भारत में आयातित मंहगाई की अतिरिक्त मार पड़ेगी। इस बढ़ी हुई मंहगाई को नियंत्रित करने के लिए भारत को भी मजबूर होकर ब्याज दरों में वृद्धि करना होगी। ब्याज दरों में वृद्धि का विपरीत प्रभाव देश की सरकार द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर अदा की जाने वाली ब्याज की राशि

पर भी पड़ता है, इससे सरकारों को अपने बजट में से और अधिक राशि के भुगतान का प्रावधान ब्याज के रूप में करना होता है और अपने पूंजीगत खर्चों एवं जनता की भलाई के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर पर खर्च की जाने वाली राशि में कटौती करनी होती है। लम्बे समय तक चलने वाले अधिक ब्याज दर के साइकल से देश में मंदी की आशंका भी बढ़ती है। विकसित देश आज इस समस्या से झूझते हुए दिखाई दे रहे हैं। भारत को इस दबाव से बचाने की आवश्यकता है। तीसरे, भारत के पास आज 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है। जापान के पास 1.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं चीन के पास 3.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारत अपने विदेशी मुद्रा भंडार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाना चाहता है क्योंकि इससे भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाया जा सकेगा। यह सभी सम्भव हो सकेगा, जब भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा का सोच समझकर उपयोग करें। स्वर्ण की खरीद से, विदेश में पर्यटन करने से एवं विदेश में शадियों के कार्यक्रम आयोजित करने से विदेशी मुद्रा का खर्च बढ़ता है जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार कम होते हैं। चौथे, भारतीय नागरिकों में स्वर्ण के प्रति आकर्षण कुछ अधिक मात्रा में ही है। यह सही है कि स्वर्ण भविष्य में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता हुआ दिखाई देता है परंतु देश के विकास की दृष्टि से यह सुप्त मुद्रा के रूप में ही देखा जाता है।

आज का राशि फल

मेघ राशि: आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशि: आज आपके दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से दायरेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डलेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में

आज का राशिफल



समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़े सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलुशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन

अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका सझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़े से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखे कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह

आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो

जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू करें, आज के कामों को ही ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपति के बीच खेज भीठी नोक-झोंक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनेदेन को

स्थिति रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संपलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकते हैं। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशि: आज आपको किसी अपने से अच्छे खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जाँच कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

नितिन गडकरी आज करेंगे एनएच की समीक्षा

सीएम आवास में होगी बैठक, सरकार रखेगी ये मांगें

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी एक अक्टूबर को पटना आएंगे। अपने बिहार दौरे के दौरान वह राज्य में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इस दौरान परियोजनाओं को तय गति से पूरा करने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए जाएंगे। नितिन गडकरी की समीक्षा बैठक मुख्यमंत्री आवास में होगी।

बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी शामिल होंगे। राज्य में एनएच से जुड़ी परियोजनाओं की मौजूदा स्थिति, निर्माण की प्रगति और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक में राज्य सरकार बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों से



जुड़ी अपनी मांगों को भी केंद्रीय मंत्री के सामने रखेंगी।

राज्य सरकार की ओर से पूर्व में भेजे गये प्रस्तावों को मंजूरी देने का आग्रह भी किया

जाएगा। इससे बिहार में एनएच से जुड़ी प्रस्तावित और लंबित परियोजनाओं को लेकर केंद्र के स्तर पर आगे की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद रहेगी। समीक्षा बैठक को लेकर पथ निर्माण विभाग राज्य की एनएच परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर रहा है। रिपोर्ट में परियोजनाओं की वर्तमान प्रगति और उनसे जुड़े प्रमुख बिंदुओं को शामिल किया जा रहा है। इसी आधार पर बैठक में परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा होगी। एनएच परियोजनाओं की समीक्षा से पहले नितिन गडकरी पटना में आयोजित 'राइजिंग बिहार- इन्वेस्टर समिट' में भाग लेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री आवास में एनएच परियोजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक होगी।

पप्पू यादव बोले- 'नेताओं की जिंदगी में अय्याशी के अलावा कुछ नहीं' बेगूसराय की घटना के बाद महिला सुरक्षा पर पूछे सवाल

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा है कि नेताओं की जिंदगी में 'शराब, शबाब और अय्याशी' के अलावा कुछ नहीं है। सांसद ने महिलाओं की सुरक्षा का भी मुद्दा उठाया और कहा कि महिलाएं घर, स्कूल, कोचिंग सेंटर, शेल्टर होम या हॉस्टल में भी सुरक्षित नहीं हैं। बेगूसराय में होटल के अंदर युवती के साथ कथित दुष्कर्म और मारपीट मामले पर पप्पू यादव ने कहा, कल की घटना को देखा जाना चाहिए। अगर मेरा बस चले तो मैं आरोपी को 100 गोली मरवा दूं। जिस तरीके से बच्ची को बेरहमी से होटल में मारा गया, वह निंदनीय है।

अगर कानून इजाजत दे तो उस आरोपी को एक मिनट भी जाने का हक नहीं है। सांसद पप्पू यादव ने कहा, अब महिलाएं घर पर भी सुरक्षित नहीं हैं। वे पड़ोसियों, शिक्षकों, साजेंट मेजर, पुलिस सब-इंस्पेक्टरों की हिंसा से सुरक्षित नहीं हैं। लड़कियां स्कूलों, कोचिंग सेंटरों, शेल्टर होम या हॉस्टलों में सुरक्षित



नहीं हैं। वे कहां सुरक्षित रहेंगी? महिलाओं की सुरक्षा के बारे में बेकार की बातें करना बंद करें।

उन्होंने सवाल किया कि इस देश में महिलाएं कब सुरक्षित रही हैं? बेटों पर कोई बात क्यों नहीं करता है। सारी रोकटोक और बातें बेटियों पर ही क्यों आती हैं? पप्पू यादव ने कहा कि बेटियों के लिए देश में कोई कानून ही नहीं है। इसी बीच, सांसद ने राजनीतिक दलों के

अखिलेश के बिना सब सूना है; कांग्रेस की 150 सीटों की मांग पर बोले बृजभूषण शरण सिंह



लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे पर भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अखिलेश यादव के बिना सब कुछ खाली-खाली लगता है। बृजभूषण शरण सिंह का यह बयान अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें कि कांग्रेस यूपी में 150 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग कर रही है। भाजपा नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह ने अखिलेश यादव को लेकर बयान दिया है। जब उनसे पूछा गया कि यूपी में इंडिया गठबंधन से कांग्रेस 150 सीटों की मांग कर रही है तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, कि अखिलेश के बिना सब सूना है।

अखिलेश के बिना कांग्रेस का कोई अस्तित्व नहीं है। दरअसल, हाल ही में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि 2027 के यूपी चुनावों के लिए कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर अक्टूबर में फैसला हो सकता है। वहीं पार्टी 150 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ेगी। कांग्रेस के पास सभी 403

सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार मौजूद हैं। गठबंधन के तहत कांग्रेस 50 प्रतिशत सीटें पाने की हकदार है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 में सीट बंटवारे को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच गहमा-गहमी भी तेज है। दोनों भाजपा को हराने के लिए साथ हैं। लेकिन सीट को लेकर आपसी

टकराव हो देखने को मिल रही है। सहारनपुर से कांग्रेस लोकसभा सांसद इमरान मसूद लगातार सपा पर निशाना साध रहे हैं, तो वहीं सपा की ओर से इकरा हसन मोर्चा संभाले हुए हैं। वहीं, सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव ने कांग्रेस नेताओं के बयानों को लेकर पार्टी नेतृत्व को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को समझना चाहिए कि उसके नेताओं को क्या बयान देना है और क्या नहीं। धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी और अखिलेश यादव के साथ आने से इंडिया गठबंधन को सफलता मिली थी। उन्होंने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में इससे बड़ी सफलता मिलेगी और अखिलेश यादव भारी बहुमत से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने सांसद इमरान मसूद के बयानों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि इमरान मसूद ने कुछ भी गलत नहीं कहा है। सीटों के बंटवारे को लेकर उन्होंने कहा कि इस पर जल्द से जल्द फैसला होना चाहिए, ताकि समय रहते टिकटों का बंटवारा किया जा सके।

रिश्वत लेते महिला सुपरवाइजर के वीडियो पर कार्रवाई, सुपौल डीएम ने दिए जांच के आदेश

सुपौल, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के सुपौल जिले के छातापुर प्रखंड में सीडीपीओ कार्यालय में एक महिला सुपरवाइजर संगीता कुमारी से जुड़े रिश्ततखोरी के कथित वायरल वीडियो के मामले में डीएम सावन कुमार ने कार्रवाई करते हुए जांच का आदेश दिया है। डीएम ने इस मामले में सीडीपीओ को जांच कर तीन दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इस संबंध में डीएम की ओर से एक पत्र जारी किया गया है। जिसमें बताया गया है कि सीडीपीओ कार्यालय, छातापुर में कार्यरत महिला पर्यवेक्षिका संगीता कुमारी का एक आंगनबाड़ी सेविका से कथित रूप से रिश्तत लेते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

पत्र में लिखा है कि सुपरवाइजर संगीता के कामों में अनियमितता और भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर आरोप मिले हैं। इन आरोपों की वजह से कार्यालय के कामों पर प्रतिकूल असर पड़ने की बात भी पत्र में कही गई है। डीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए छातापुर की सीडीपीओ को पूरे प्रकरण की जांच कर तय समय के अंदर जांच कर रिपोर्ट सौंपने की निर्देश दिए हैं।

इविचि गेट के सामने प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर प्राथमिकी दर्ज, वीफ प्रॉक्टर की तहरीर पर कार्रवाई

प्रयागराज, 30 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गेट पर प्रदर्शन करने और कुलसचिव की गाड़ी रोककर उन्हें नीचे उतारने के मामले में कर्नलगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रभारी कुलानुशासक प्रो. पवन कुमार शर्मा की तहरीर पर पुलिस नौ नामजद समेत अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्द कर छानबीन शुरू कर दी है। तहरीर के अनुसार मंगलवार को सायं 5.20 बदे विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार को इस तरह अवरुद्ध किया गया कि विश्वविद्यालय की सामान्य गतिविधियां प्रभावित हुईं। इसी दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव की गाड़ी को रोककर उन्हें जबरन वाहन से उतारने और दबाव बनाने का प्रयास किया गया। मामले में नौ लोगों की भूमिका प्रथमदृष्टया सामने आने की बात शिकायत में कही गई है।

पश्चिम चंपारण में सीएन ने किया बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

गंडक-कोसी तटबंधों के पक्कीकरण का दिया आश्वासन

बेतिया (पश्चिम चंपारण), 30 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बुधवार को करीब दोपहर 12:02 बजे बथना स्थित पीएम श्री राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर पहुंचे। हेलीकाप्टर से उतरने के बाद उन्होंने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों से बाढ़ की स्थिति और राहत तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व ही मुख्य सचिव, डीजीपी और सांसद डॉ. संजय जायसवाल समेत कई वरीय अधिकारी बथना पहुंच चुके थे। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित हेलीपैड, सुरक्षा व्यवस्था और बाढ़ आश्रय केंद्र की तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने उन्हें प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति तथा चलाए जा रहे राहत-बचाव कार्यों से अवगत कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बताया कि गंडक और कोसी नदी पर सर्वे का कार्य

जारी है, जिसके आधार पर तटबंधों का पक्कीकरण कराया जाएगा। बथना में तैयारियों का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री मच्छरगांवा होते हुए बनकटवा पहुंचे। इसके बाद उन्होंने एसडीआरएफ की नाव से शिवराजपुर समेत अन्य बाढ़ प्रभावित इलाकों का व्यापक भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने जमीनी स्तर पर बाढ़ की स्थिति और प्रभावित लोगों की परेशानियों को स्वयं देखा।

निरीक्षण के पश्चात मुख्यमंत्री बथना स्थित बाढ़ आश्रय केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने आश्रय स्थल का जायजा लिया। वहां उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान पीड़ितों के बीच राहत सामग्री बांटी गई तथा बथना से शिवराजपुर तक प्रशासन व पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही।

शराब से खराब लिवर के ठीक होने की जग्री उम्मीद, चूहों पर हुए अध्ययन में मिले प्रमाण



लखनऊ, 30 सितंबर (एजेंसियां)। शराब पीने से खराब हुआ लिवर ठीक होने की उम्मीद जगी है। विटामिन डी को सक्रिय करने वाले कृत्रिम विटामिन डी (कैल्सिपोट्रिऑल) की मदद से ऐसा किया जा सकता है। संजय गांधी पीजीआई में हुए अध्ययन की सफलता से यह आस बंधी है। संस्थान में चूहों पर किए गए अध्ययन को इंडोक्राइनोलॉजी जर्नल ने मान्यता दी है। शराब का लगातार सेवन लिवर में चर्बी जमा करने के साथ उसकी कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाता है। शराब से जुड़ी लिवर की बीमारी से जूझने वाले लोगों में विटामिन डी की कमी देखी जाती है। इसी आधार पर अध्ययनकर्ताओं की ओर

से यह जांचने की कोशिश की गई कि विटामिन डी रिसेप्टर को सक्रिय करने से शराब से प्रभावित लिवर पर क्या असर पड़ता है। कैल्सिपोट्रिऑल शरीर में विटामिन डी के असर को सक्रिय करने वाला यौगिक है। अध्ययन में देखा गया कि चूहों पर इसके प्रभाव से लिवर में जमा चर्बी, कोशिकाओं की चोट और सूजन से जुड़े संकेतकों में कमी आई। अध्ययन में नर चूहों का इस्तेमाल करते हुए उन्हें पांच फीसदी एथेनॉल वाला आहार देकर शराब से होने वाले लिवर नुकसान जैसा मॉडल तैयार किया। इसके बाद एक समूह को कैल्सिपोट्रिऑल दिया गया। जांच में इस समूह के लिवर में ट्राइग्लिसराइड यानी चर्बी का जमाव कम पाया गया। शोध दल में एसजीपीजीआई के डॉ. अंबुज शाही, डॉ. अभिषेक यादव, डॉ. रोहित एंथनी सिन्हा, डॉ. माबेल मिशा सिंह, डॉ। प्रतीक मेहे, डॉ. रूखसाना महमूद, डॉ. अनुज कुमार और डॉ। आशीष गुप्ता शामिल रहे। कैल्सिपोट्रिऑल को जानें: कैल्सिपोट्रिऑल विटामिन डी का कृत्रिम (सिंथेटिक) रूप है। यह विटामिन डी रिसेप्टर को सक्रिय करने वाला यौगिक है।

जाति बताओ, नहीं तो एससी/एसटी एक्ट में जेल भेज दूंगा, हरदोई में पैमाइश करने पहुंचे अफसर की दबंगई का वीडियो वायरल

हरदोई, 30 सितंबर (एजेंसियां)। हरदोई में जमीन की पैमाइश के दौरान हुई कथित बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। वीडियो में राजस्व विभाग से जुड़े एक अधिकारी किसान से उसकी जाति पूछते सुनाई दे रहे हैं। किसान अपनी जाति बताता है, जिसके बाद अधिकारी कथित तौर पर उसे एससी/एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई कराने की बात कहते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद अधिकारी के व्यवहार और बातचीत को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो जमीन की पैमाइश के दौरान का है। इसमें राजस्व विभाग के अधिकारी और किसान के बीच बातचीत दिखाई दे रही है।

अधिकारी किसान से उसकी जाति पूछते हैं। किसान जवाब में अपनी और दूसरे व्यक्ति की जाति बताता है। इसके बाद अधिकारी की ओर से कथित तौर पर एससी/एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई कराने की बात कही जाती है। वायरल वीडियो को लेकर किसान पक्ष ने अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। किसान का कहना है कि जमीन की पैमाइश के दौरान विवाद की स्थिति बनी थी। इसी दौरान अधिकारी ने जाति को लेकर सवाल किया और बाद में एससी/एसटी एक्ट में कार्रवाई कराने की धमकी दी।

जेल में बंद दहेज हत्या के आरोपी बंदी की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में तोड़ दिया दम

गाजीपुर, 30 सितंबर (एजेंसियां)। जेल में बंद एक बंदी की अचानक तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई। बंदी को गंभीर हालत में इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था, जहाँ चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक को चंद्रना गहमर निवासी रामचंद्र (60)पुत्र जगरूप के रूप में हुई है। वह दहेज हत्या के एक मामले में जेल में निरुद्ध था। बताया जा रहा है कि देर रात जेल में उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। हालत गंभीर देखते हुए जेल प्रशासन द्वारा उसे तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुँचाया गया। हालाँकि, अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डाक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

'20 हजार दो, नहीं तो इंचीटेप से नापकर भरवाएंगे पूरा टैक्स प्रयागराज में हाउस टैक्स कम कराने के नाम पर रिश्तत ले रही महिला अधिकारी गिरफ्तार



आरोप है कि मकान का हाउस टैक्स कम कराने के बदले उसने पैसे मांगे जा रहे थे। शिकायतकर्ता का दावा है कि रिश्तत देने से इनकार करने पर उन्हें धमकी दी गई कि इंचीटेप से मकान नापकर पूरा कमर्शियल कर दिया जाएगा। यह मामला फाफामऊ के शांतिपुरम गदोपुर निवासी शारिक अहमद से जुड़ा है। शारिक कपड़ों का कारोबार करते हैं। उनके मुताबिक, मार्च में उनके मकान का हाउस टैक्स बढ़कर 1.16 लाख रुपये हो गया। बिल को ठीक कराने के लिए वह कई महीनों से नगर निगम के चक्कर लगा रहे थे, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। इसके बाद उनकी मुलाकात जोन कार्यालय में राजस्व निरीक्षक राधा देवी से हुई। शारिक के मुताबिक, राधा देवी उनके घर जांच के लिए भी गई थीं। इसके बाद उन्हें नगर निगम के जोन कार्यालय बुलाया गया। कुछ दिन बाद धर्मेन्द्र नाम के एक कर्मचारी ने फोन कर शारिक को कार्यालय बुलाया और कहा कि राधा मैडम ने याद किया है। शारिक का आरोप है कि कार्यालय पहुंचने पर धर्मेन्द्र ने उनसे 15 हजार रुपये की मांग की। जब उन्होंने यह बात राधा देवी को बताई तो आरोप के मुताबिक उन्होंने रकम बढ़ाकर 20 हजार रुपये कर दी। शारिक ने कहा कि हाउस टैक्स का बिल ही गलत है और वह खुद पीड़ित हैं, ऐसे में रिश्तत किस बात की दी जाए। आरोप है कि इसके बाद उन पर पैसे देने का दबाव बनाया जाने लगा। शारिक के मुताबिक, उन्होंने दो किस्तों में पैसे देने की बात भी कही, लेकिन आरोप है कि राधा देवी इसके लिए तैयार नहीं हुईं और पूरा पैसा एक साथ लाने को कहा। शारिक का कहना है कि लगातार दबाव से परेशान होकर उन्होंने 28 सितंबर को भ्रष्टाचार निवारण संगठन की प्रयागराज इकाई में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की जांच के बाद टीम ने कार्रवाई की तैयारी की। शिकायत सही पाए जाने के बाद एंटी करप्शन की 14 सदस्यीय टीम ने फाफामऊ स्थित जोन-7 कार्यालय में ट्रैप लगाया। दोपहर करीब 1:16 बजे जैसे ही शारिक ने 20 हजार रुपये राधा देवी को दिए और उन्होंने रकम टेबल की दराज में रखी, टीम ने उन्हें रोंगहाथ पकड़ लिया।

शर्म आती है तो आगे की कार्रवाई करें बिहार में अपराध को लेकर चिराग के बयान पर क्या बोले जीतन राम मांझी

पटना, 30 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में महिलाओं के खिलाफ इन दिनों में बढ़े अपराध पर हाल ही में केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने बड़ा बयान दिया था। महिला अपराध पर भड़के चिराग पासवान ने यहां तक कह दिया था कि उन्हें शर्म आती है कि वो इस सरकार का हिस्सा हैं। अब केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने चिराग पासवान के इस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

जीतन राम मांझी ने कहा है कि अगर चिराग पासवान इस सरकार का हिस्सा बनकर शर्मिंदा हैं तो वो आगे की कार्रवाई करें। जीतन राम मांझी ने कहा, 'जो इस तरह से बोल रहा है उसको समझना चाहिए कि आप अगर बहुत शर्मिंदा हैं तो आपको आगे अगली कार्रवाई करनी चाहिए। हम तो कहते हैं कि हम तो इस सरकार का हिस्सा बनकर बहुत गौरवान्वित महसूस करते हैं। हमें काफी गर्व है कि सम्राट चौधरी जैसा मजबूत और युवा मुख्यमंत्री



बिहार को मिला है जो त्वरित कार्रवाई कर रहा है। बात चाहे विकास की हो या आपदा प्रबंधन की हो या लॉ एंड ऑर्डर की हो। हर दृष्टिकोण से यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहा है और बहुत अच्छा काम हो रहा है। हम तो गौरवान्वित हैं। अगर कोई शर्मिंदा महसूस करता है तो उसे आगे की अपनी कार्रवाई करनी चाहिए।' जीतन राम मांझी ने यह भी कहा कि हम 1980 से विधायक रहे हैं। आज तक किसी ने ऑपरेशन लंगड़ा नहीं चलाया था। एक वक्त था जब अपराधियों को एक अर्धे मार्ग बुलाया जाता था और सुलह करवा दिया जाता था। आज वो स्थिति नहीं है इसलिए मैं तो गौरवान्वित हूं। आज कोई भी अपराध करता है तो ऑपरेशन लंगड़ा चला दिया जाता है। केंद्र में आज नरेंद्र मोदी और बिहार में आज सम्राट चौधरी की डबल इंजन सरकार है। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले एक साक्षात्कार के दौरान चिराग पासवान ने बिहार में महिलाओं के प्रति अपराध को लेकर बेहद नाराज नजर आए थे। चिराग पासवान ने कहा था कि आज की तारीख में कोई भी सुरक्षित नहीं महसूस कर रहा है।

अमिताभ बच्चन ने अभिषेक संग रिश्ते पर कही बड़ी बात बोले- विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है



बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन का रिश्ता हमेशा से ही लोगों की दिलचस्पी का हिस्सा रहा है। दोनों ने फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है और कई बार एक-दूसरे के काम और सोच को लेकर खुलकर बात भी की है। अब अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर अभिषेक के साथ अपने रिश्ते को लेकर खास बातें लिखी हैं। उन्होंने कहा कि पिता और बेटे की सोच अलग हो सकती है, दोनों का चीजों को देखने का नजरिया अलग हो सकता है, लेकिन आखिर में उनकी मंजिल एक ही रहती है। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में लिखा,

"पिता पुत्र दोनों रहे, एक मंच पर बैठें, विचार अलग-अलग हो चाहें, मंजिल के ही हों।"

इस बात के जरिए उन्होंने कहा कि एक ही परिवार में होने के बावजूद दो पीढ़ियों की सोच हमेशा एक जैसी हो, यह जरूरी नहीं है। इसके बावजूद एक-दूसरे के लिए सम्मान और रिश्ते की अहमियत बनी रह सकती है।

अमिताभ ने आगे लिखा, "मैं नई पीढ़ी का हमेशा सम्मान करता हूँ। विचार और रास्ते अलग होने के बावजूद मंजिल एक ही रहती है। हर रास्ते का मकसद एक ऐसी मंजिल तक पहुंचना होना चाहिए, जो सभी के लिए फायदेमंद हो।"

उन्होंने अपने और अभिषेक के रिश्ते को लेकर लिखा, "यह रिश्ता एक-दूसरे को जानने, समझने, खोजने और ऐसी मंजिल तय करने का रहा है, जो सभी के लिए बेहतर हो। प्यार और सम्मान को इस रिश्ते का अहम हिस्सा है। शुभचिंतकों का प्यार।"

अमिताभ बच्चन फिल्हाल टीवी के पॉपुलर क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' को होस्ट कर रहे हैं। यह शो ब्रिटिश फॉर्मेट 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' का ऑफिशियल हिंदी वर्जन है। शो में कंटेस्टेंट्स से कई सवाल पूछे जाते हैं और उन्हें चार विकल्पों में से सही जवाब चुनना होता है। जवाब न पता होने पर कंटेस्टेंट्स को लाइफलाइन भी दी जाती है।

'वो थोड़ा डॉमिनेंट था', करण वाही से ब्रेकअप पर उदिति सिंह का बड़ा खुलासा

उदिति सिंह ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने शो में स्काउट ओपी से बातचीत के दौरान करण वाही से अपने ब्रेकअप पर खुलकर चर्चा की।

लॉकडाउन में बहने लगी थीं पेशानियां

उदिति ने कहा, 'मेरे लिए ब्रेकअप सच में एक ब्लेसिंग इन डिस्टाइज था। वो थोड़ा डॉमिनेंट था। सपोर्ट मिलने के बजाय मुझसे लगातार कहा जाता था, 'आप नहीं कर पाओगे, आपको नहीं आता।' जब आपका अपना पार्टनर ही आपको डिमोटिवेट करता है, तो उसका असर होता है।' उदिति ने बताया कि उनके और करण के रिश्ते में तनाव की

शुरुआत लॉकडाउन के दौरान ज्यादा बढ़ी। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच उम्र का अंतर, अलग-अलग सोच और रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातें भी धीरे-धीरे बड़े झगड़े की वजह बनने लगी थीं। उदिति ने कहा, 'मेरे चीजों को साफ रखने के तरीके उनके तरीकों से अलग थे।' उन्होंने बताया कि उनके पालतू डॉग नोआ की देखभाल भी दोनों के बीच लगातार बहस की एक वजह बन गई थी।

2019 में शुरू हुआ था रिश्ता

उदिति के मुताबिक, उनका और करण वाही का रिश्ता साल 2019 में शुरू हुआ था। उदिति ने अपनी बात रखते हुए कहा कि कई बार रिश्ते को बचाने की पूरी

कोशिश करने के बावजूद चीजें सही नहीं हो पातीं। अगर रिश्ते में सही तालमेल और सही समय न हो, तो लंबे समय तक साथ रहना मुश्किल हो जाता है। उनके लिए यह ब्रेकअप बाद में उनकी पर्सनल और करियर ग्रोथ के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हुआ।

कब हुआ दोनों का ब्रेकअप

रिपोर्टर के मुताबिक, उदिति सिंह और करण वाही दो साल से ज्यादा समय तक रिलेशनशिप में रहे थे। दोनों का 2022 में ब्रेकअप हो गया था। करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'कुछ तो लोग कहेंगे', 'खतरों के खिलाड़ी' और 'झलक दिखला जा' जैसे टीवी शोज का हिस्सा रह चुके हैं। करण 'बिग बॉस 13' में बतौर गेस्ट भी नजर आए थे।



एक अलग पहचान दिलाई।

28 सितंबर को मौनी 40 साल की हो गई है। उनका यह डर तेजी से वायरल हो रहा है। फैस कमेंट कर रहे हैं कि यह जानकर हैरानी हुई कि ऑन-स्क्रीन सबसे खतरनाक नागिन ऑफ-स्क्रीन इतनी डरपोक है। फराह खान के इस व्लॉग के बाद मौनी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं और उनका क्यूट डर फैस को काफी पसंद आ रहा है।

मौनी को पहला बड़ा ब्रेक 2007 में एकता कपूर के सुपरहिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से मिला, जिसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने 'कस्तूरी', 'देवों के देव...महादेव' जैसे शोज किए। 'महादेव' में सती के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। लेकिन असली स्टारडम उन्हें 2015 में आई एकता कपूर की ही सीरीज 'नागिन' से मिला। शिवन्या और शिवांगी के डबल रोल में मौनी ने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। 'नागिन' और 'नागिन 2'

ने उन्हें टेलीविजन की सबसे महंगी और सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार कर दिया। टीवी पर सफलता के बाद मौनी ने बड़े पर्दे का रुख किया। 2018 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'गोल्ड' से उन्होंने बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म हिट रही और मौनी की एक्टिंग को सराहा गया। इसके बाद वह 'मेड इन चाइना', 'रॉ', और आयाना मुखर्जी की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में जूनून के नेगेटिव किरदार में नजर आईं, जिसने उन्हें एक अलग पहचान दी।

एक अलग पहचान दिलाई।

28 सितंबर को मौनी 40 साल की हो गई है। उनका यह डर तेजी से वायरल हो रहा है। फैस कमेंट कर रहे हैं कि यह जानकर हैरानी हुई कि ऑन-स्क्रीन सबसे खतरनाक नागिन ऑफ-स्क्रीन इतनी डरपोक है। फराह खान के इस व्लॉग के बाद मौनी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं और उनका क्यूट डर फैस को काफी पसंद आ रहा है।

मौनी को पहला बड़ा ब्रेक 2007 में एकता कपूर के सुपरहिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से मिला, जिसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने 'कस्तूरी', 'देवों के देव...महादेव' जैसे शोज किए। 'महादेव' में सती के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। लेकिन असली स्टारडम उन्हें 2015 में आई एकता कपूर की ही सीरीज 'नागिन' से मिला। शिवन्या और शिवांगी के डबल रोल में मौनी ने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। 'नागिन' और 'नागिन 2'

ने उन्हें टेलीविजन की सबसे महंगी और सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार कर दिया। टीवी पर सफलता के बाद मौनी ने बड़े पर्दे का रुख किया। 2018 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'गोल्ड' से उन्होंने बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म हिट रही और मौनी की एक्टिंग को सराहा गया। इसके बाद वह 'मेड इन चाइना', 'रॉ', और आयाना मुखर्जी की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में जूनून के नेगेटिव किरदार में नजर आईं, जिसने उन्हें एक अलग पहचान दी।

मौनी को पहला बड़ा ब्रेक 2007 में एकता कपूर के सुपरहिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से मिला, जिसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने 'कस्तूरी', 'देवों के देव...महादेव' जैसे शोज किए। 'महादेव' में सती के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। लेकिन असली स्टारडम उन्हें 2015 में आई एकता कपूर की ही सीरीज 'नागिन' से मिला। शिवन्या और शिवांगी के डबल रोल में मौनी ने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। 'नागिन' और 'नागिन 2'

ने उन्हें टेलीविजन की सबसे महंगी और सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार कर दिया। टीवी पर सफलता के बाद मौनी ने बड़े पर्दे का रुख किया। 2018 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'गोल्ड' से उन्होंने बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म हिट रही और मौनी की एक्टिंग को सराहा गया। इसके बाद वह 'मेड इन चाइना', 'रॉ', और आयाना मुखर्जी की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में जूनून के नेगेटिव किरदार में नजर आईं, जिसने उन्हें एक अलग पहचान दी।



एक अलग पहचान दिलाई।

तमिल फिल्म में आर. बाल्की के साथ फिर वापसी कर रही विद्या बालन

मुंबई विद्या बालन एक बार फिर फिल्ममेकर आर. बाल्की के साथ काम करने जा रही हैं। दोनों एक नई तमिल फिल्म के लिए साथ आए हैं और फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। गौरतलब है कि वर्ष 2009 में रिलीज हुई फिल्म पा के बाद यह विद्या बालन और आर. बाल्की की पहली तमिल फिल्म होगी। अपने सोशल मीडिया के जरिये अपने दर्शकों से इसकी जानकारी साझा करने के उद्देश्य से विद्या बालन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह हाथ में स्क्रिप्ट लिए कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। चश्मा लगाए और लंबी चोटी में उनका लुक काफी सिंपल दिखाई दे रहा है। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा है, आर. बाल्की के साथ नई तमिल फिल्म, नई शुरुआत। इसके साथ दिल का इमोजी लगाकर उन्होंने अपनी बात खत्म की है लेकिन उनकी इस पोस्ट से साफ है कि उन्होंने अपनी नई तमिल फिल्म पर काम शुरू

कर दिया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो विद्या बालन इसी महीने 15 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही रजनीकांत स्टार जेलर 2 में नजर आनेवाली हैं। फिल्म में वह कांता का किरदार निभा रही हैं। नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म सन पिक्चर्स की प्रस्तुति है। इसके अलावा विद्या बालन एक बार फिर अक्षय कुमार के साथ नजर आएंगी। अनौस बज्जी के निर्देशन में बन रही इस अनयाइटल्ड कॉमेडी फिल्म में राशी खन्ना भी हैं। फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका केरल शेड्यूल पूरा हो चुका है। फिल्हाल नई तमिल फिल्म के साथ विद्या बालन के पास इस समय अलग-अलग भाषाओं और जॉनर की कई फिल्में हैं। ऐसे में आर. बाल्की के साथ उनकी दोबारा जोड़ी को लेकर अब फैस की निगाहें इस नए प्रोजेक्ट पर जम गई हैं।



परिणीति चोपड़ा बनेंगी फील्ड रिपोर्टर 'रिपोर्टिंग लाइव' में खुलेगा रेत माफिया का खतरनाक खेल



बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रही हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रीमिंग सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रखा और अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसकी कहानी पत्रकारिता, अपराध और अवैध रेत खनन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का नाम 'रिपोर्टिंग लाइव' है, जिसमें परिणीति एक फील्ड रिपोर्टर के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ शेखर सुमन, अमोल पालेकर, देवेन भोजानी और आदिल हुसैन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

'रिपोर्टिंग लाइव' की कहानी एक ऐसी रिपोर्टर की है, जो एक बड़ी स्टोरी की तलाश में अवैध रेत खनन के उस नेटवर्क तक पहुंचती है, जिसे एक खतरनाक रेत माफिया हर हाल में छिपाकर रखना चाहता है। जैसे-जैसे रिपोर्टर इस पूरे मामले को तह तक जाने की कोशिश करती है, उसके सामने अपराध की एक ऐसी दुनिया खुलती जाती है, जहां सच को सामने लाना आसान नहीं है। फिल्म में इसी जांच, खतरे और सच की तलाश को थ्रिलर अंदाज में दिखाया गया है।

परिणीति फिल्म में एक फील्ड रिपोर्टर की भूमिका निभा रही हैं।

एक और वीडियो में ईवा लोगोरिया और ऐश्वर्या को बैकस्टेज एक-दूसरे के साथ गर्मजोशी से मिलते हुए देखा गया। हाल ही में ऐश्वर्या को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखा गया था, जब वह इस इवेंट के लिए पेरिस जा रही थीं। ग्लोबल फैशन और सिनेमा इवेंट्स से ऐश्वर्या का जुड़ाव 2002 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनकी पहली मौजूदगी से शुरू हुआ था। उस समय, वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के प्रीमियर के लिए फेस्टिवल में पहुंची थीं, जिसे इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में दिखाया गया था। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली और को-स्टार शाहरुख खान के साथ, ऐश्वर्या ने पारंपरिक पोली साड़ी में यादगार एंट्री की थी। तीनों एक घोड़ा-गाड़ी में सवार होकर वहां पहुंचे थे। अगले साल, वह फीचर-फिल्म जूरी की सदस्य के तौर पर फेस्टिवल में लौटी और ऐसा करने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनीं।